

प्रेषक,

शैलेश बगौली,  
प्रभारी सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,  
खेल निदेशालय,  
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग –2

देहरादून: दिनांक 16 फरवरी, 2015

विषय :— विशेष आयोजनागत सहायता (एसोपी०ए०) के अन्तर्गत जनपद देहरादून में स्थित पवेलियन ग्राउण्ड में अवस्थापना का सृजन एवं जीर्णोद्धार कार्य हेतु धनराशि अवमुक्त किये जाने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या—912/पवे०ग्रा०अव०पत्रा०/13-14 दिनांक 17.11.14 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विशेष आयोजनागत सहायता (एसोपी०ए०) के अन्तर्गत जनपद देहरादून में स्थित पवेलियन ग्राउण्ड में अवस्थापना का सृजन एवं जीर्णोद्धार कार्य हेतु टी०ए०सी० द्वारा अनुमोदित ₹ 514.87 लाख (सिविल निर्माण कार्यों हेतु ₹ 424.70 लाख तथा अधिप्राप्ति नियमावली के अनुसार कराये जाने वाले कार्यों हेतु ₹ 90.17 लाख) के सापेक्ष पूर्व में शासनादेश संख्या—206 / VI-2/2014-22(01)13 दिनांक 30.03.14 द्वारा धनराशि ₹ 200.00 लाख वित्तीय वर्ष 2013-14 में उपलब्ध करा दिये जाने के उपरान्त चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में प्रश्नगत सृजन / जीर्णोद्धार कार्य हेतु अवशेष धनराशि ₹ 314.87 लाख (₹०. तीन करोड़ चौदह लाख सतासी हजार रुपये) की धनराशि संगत मानक मद से आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-284 / XXVII(1) / 2013 दिनांक 30 मार्च, 2013, में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। उक्त कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्त विभाग के शासनादेश सं०-474 / XXVII(7) / 2008 दिनांक 15.12.08 के विहित शर्तों के अनुसार कार्यदायी संस्था से निर्धारित प्रपत्र पर एम०ओ०य०० अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

3. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि मदवार स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

4. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो०नि�०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशेषियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

5. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भौगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
6. अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष समय-समय पर वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण शासन को प्रेषित किये जाय तथा समस्त कार्य निर्धारित समय अवधि के भीतर ही पूर्ण किया जाना भी सुनिश्चित किया जायेगा।
7. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.06 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करे।
8. अधिप्राप्ति कार्यों हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
9. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका से करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। कार्य करते समय टेप्डर विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेप्डर करने में कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसे समस्त बचतों को प्रचलित वित्तीय नियमों का अनुपालन कर राजकीय कोष में जमा कर दिया जाय।
10. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु साम्बन्धित अधिकारी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। तथा विलम्ब के कारण आगणन किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा। कार्य का गुणवत्ता परीक्षण नियोजन विभाग द्वारा चयनित संस्था से कराये जाने हेतु प्रस्ताव समयान्तराल नियोजन विभाग को प्रेषित करते हुए समयबद्ध कार्यवाही की जायेगी।
11. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा स्स्कूलिंग पर पूंजिगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम-18-विशेष आयोजनागत सहायता (एस०पी०ए०)-24-वृहत निर्माण कार्य मद आयोजनागत पक्ष के नामे डाला जायेगा।
12. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-334(P)/XXVII(3)/2014-15 दिनांक 06.02.15 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(शैलेश बगौली)  
प्रभारी सचिव

प्रस्तावन संख्या- 5 / VI-2/2015-22(01):3 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, ओबेराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।

- परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजस्व निर्माण निगम, देहरादून ईकाई, दून विधि0,  
केदारपुरम, देहरादून (0135-2532560)।  
जिला कीजाधिकारी, देहरादून।  
एन0आई0सी0 देहरादून।  
गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)  
~~संयुक्त सचिव।~~



बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20142015

Secretary, Sports (S047)

आवंटन पत्र संख्या - 51/vi-2/2015-22(1)13

अनुकूल संख्या - 011

अलोटमेंट आई ई - S150211017

आवंटन पत्र दिनांक - 19-Feb-2015

HOD Name - Director Sports (2441)

लेज़ा शीर्षक	4202 - शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर फूलीगत परिव्यय	03 - खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम
	102 - खेलकूद स्टेडियम	18 - विशेष आयोजनागत सहायता
	00 - विशेष आयोजनागत सहायता	

Plan Voted

मानक भद्र का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
24 - बहत निर्माण कार्य	0	31487000	31487000
	0	31487000	31487000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 31487000

